राज एक्सप्रेस, भोपाल
15 MAR 2015

पंचायत चुनावों में विजय ने हमें और विनम्र बनाया

प्रदेश में पंचायत राज संस्थाओं के चुनाव में मिली शानदार विजय ने हमें और विनम्र बना दिया है। हर विजय के साथ जिम्मेदारी भी बढ़ जाती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लोकसभा चुनाव में ऐतिहासिक विजय के बाद सबका साथ-सबका विकास को सरकार का मूलमंत्र बताया था। मुझे इस बात की खुशी है कि हमें प्रदेश में सबका साथ मिलता चला आ रहा है और हम बिना किसी भेदभाव के सभी का यथासंभव विकास करने में सफल हुए हैं।

पूर्व राष्ट्रपति और चिंतक डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम ने अपनी आत्मकथा विंग्स ऑफ फायर में कहा है कि सपना वह नहीं है जो आप सोते समय देखते हैं, सपना वह है जो आपको सोने नहीं देता। मेरे मन में भी एक सपना है जो मुझे सोने नहीं देता। यह सपना है मप्र को भारत का सबसे विकसित, समृद्ध , शिक्षित और स्वस्थ राज्य बनाने का। बीते 10-11 वर्ष में हमने इस दिशा में जो कार्य किये हैं उनका ही सुफल है कि मप्र के लोग हमें लगातार अपना आशीर्वाद देते चले आ रहे हैं। पिछले साल पहले विधानसभा और फिर लोकसभा में प्रदेशवासियों ने हमें विजयश्री का वरण करवाया। इसके बाद नगरीय निकायों और अब पंचायत राज संस्थाओं के चुनाव में हमें गौरवशाली विजय दिलवाई। इस विजय से हमारे मन में कोई अभिमान या अहंकार नहीं है। लोगों से किए सभी वादे हम सदा के तरह पूरी निष्ठा से निभाएं गे। गांवों और शहरों की तकदीर और तस्वीर बदलने की अपनी प्रतिबद्धता पर हम पूरी तरह खरे उतरेंगे।

डॉ. कलाम ने अपनी आत्मकथा में यह भी लिखा है कि किसी को हराना बहुत सरल है, लेकिन किसी को जीतना बहुत कठिन। मुझे यह बात उतनी खुशी नहीं देती कि हमने किसी को हरा दिया, बल्कि इस बात से मैं ज्यादा खुश हूं कि हम लोगों का दिल जीतने में सफल रहे हैं। लोकतंत्र में विपक्ष का मजबूत होना राष्ट्र और समाज दोनों के लिए हितकर है। हम भी चाहते हैं कि विपक्ष मजबूत बने और रचनात्मक विपक्ष की भूमिका निभाते हुए प्रदेश के विकास में सक्रिय रूप से सहभागी हो। दुर्भाग्यवश ऐसा नहीं हो पा रहा है। टुकड़े-टुकड़े में बंटा होने के कारण वह बुरी तरह क्षीण है। विपक्ष की वर्तमान दशा पर मुझे चकबस्त का एक शेर याद आता है कि -

रहनुमाई किसकी होगी, है मुझे हैरत यही
काफिले में कौम के सब, पेशवा होने को हैं।

मैं और लोकतंत्र की मजबूती के हित में चिंता करने वाले सभी, यह कामना करते हैं कि विपक्ष भी अपनी कमजोरियों को दूर कर और नकारात्मक राजनीति का दामन छोड़कर रचनात्मक भूमिका निभाए। जीत पर सभी कार्यकर्ताओं को बधाई और शुभकामनाएं।

शिवराज सिंह चौहान
(लेखक प्रदेश के मुख्यमंत्री हैं)